Exam. Code : 216304
Subject Code : 6461

M.A. (Hindi) 4th Semester

ADHUNIK GADHYA SAHITYA

Paper–XVII

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— निर्देशानुसार सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

downloaded from StudentSuvidha.com

खण्ड–क

निम्नलिखित किन्हीं चार पद्यांशों की व्याख्या कीजिए : 6×4=24

1. सत्, चित् और आनंद — ब्रह्म के उन तीन स्वरूपों में से काव्य और भक्तिमार्ग, आनन्द स्वरूप को लेकर चले । विचार करने पर लोक में इस आनंद की अभिव्यक्ति की दो अवस्थाएं पाई जाएंगी — साधृवावस्था और सिद्धावस्था । अभिव्यक्ति के क्षेत्र में ब्रह्म के आनन्द स्वरूप का सतत् आभास नहीं रहता, उसका आविर्भाव और तिरोभाव होता रहता है ।

2. लेकिन पुष्पित अशोक को देखकर मेरा मन उदास हो जाता है । इसलिए नहीं कि सुंदर वस्तुओं को हतभाग्य समझने से मुझे कोई विशेष रस मिलता है । कुछ लोगों को मिलता है । वे बहुत दूरदर्शी होते हैं । जो भी सामने पड़ गया, उसके जीवन के अंतिम मुहूर्त्त तक का हिसाब वे लगा लेते हैं । मेरी दृष्टि इतनी दूर तक नहीं जाती ।

3. मेरे पास अब बहुत साल नहीं है जीने को । पर जितने हैं, उन्हें मैं इसी तरह और निभाते हुए नहीं काटूँगी । मेरे करने से जो कुछ हो सकता था इस घर का, हो चुका आज तक । मेरी तरफ से अब यह अन्त है उसका — निश्चित अंत ।

4. मैं यहां थी, तो मुझे कई बार लगता था कि मैं एक घर में नहीं, चिड़ियाघर के एक पिंजरे में रहती हूं जहां.....आप शायद सोच सकते कि क्या-क्या होता रहा है यहाँ । डैडी का चीखते हुए ममा के कपड़े तार-तार कर देना......उनके मुँह पर पट्टी बांधकर उन्हें बन्द कमरे में पीटना......

5. मुझे भूत-प्रेत आदि का डर लगता था । रम्भा ने मुझे समझाया कि इसकी दवा राम नाम है । मुझे तो रामनाम से भी अधिक श्रद्धा रम्भा पर थी, इसलिए बचपन में भूत-प्रेतादि के भय से बचने के लिए मैंने रामनाम जपना शुरू किया ।

6. हम दोनों जूठी बीड़ी चुराकर पीने और नौकर के पैसे चुराकर बीड़ी खरीदने और फूंकने की आदत भूल गए । फिर बड़ेपन में बीड़ी पीने की इच्छा नहीं हुई । मैंने हमेशा यह माना है कि यह आदत जंगली, गन्दी और हानिकारक है । दुनिया में बीड़ी का इतना जबरदस्त शौक क्यों है, इसे मैं कभी समझ नहीं सका हूँ ।

खण्ड–ख

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** लघु उत्तरापेक्षी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6×4=24

1. 'सौंदर्य की उपयोगिता' के प्रतिपाद्य यानी साहित्य, सौंदर्य और कला के परस्पर सम्बंधों पर टिप्पणी लिखिए ।

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

2. 'पगडंडियों का जमाना' निबन्ध की निबंध लेखन सम्बंधी विशेषताओं को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत कीजिए ।

3. आधे-अधूरे की कथ्य-चेतना पर टिप्पणी लिखिए ।

4. आधे-अधूरे में किए नए नाट्य प्रयोग पर विचार कीजिए ।

5. आत्मकथाकार यशपाल का सामान्य परिचय दीजिए ।

6. 'मेरी आत्मकथा' के संदर्भ में गान्धी जी के व्यक्तित्व का संक्षिप्त विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए ।

खण्ड–ग

निम्नलिखित में से **दो** दीर्घ उत्तरापेक्षी प्रश्नों का उत्तर दीजिए। 16×2=32

1. "काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था" निबन्ध में आचार्य शुक्ल जी के प्रतिपाद्य का विवेचन कीजिए ।

2. 'आधे-अधूरे' के आधार पर मोहनराकेश की नाट्य-भाषा की भाषागत उपलब्धियों का विवेचन कीजिए ।

3. आत्मकथा कला के आधार पर "मेरी आत्मकथा" का मूल्यांकन कीजिए ।

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com
StudentSuvidha.com downloaded from